



ATABEY MÜFTÜLÜĞÜ RAMAZAN İMSAKİYESİ



İFTAR DUASI

"Allah'ım! Senin rızan için oruç tuttum. Sana inandım. Sana güvendim. Senin verdiğin rızıkla orucumu açtım. Geçmiş ve gelecek günahlarımı bağışla. Senden başka günahları affedecek yoktur. Âmin" (Ebu Davud, Savm 22 Buhari, Daavât, 31)

| Hicri Tarih | Miladi Tarih | İmsak | Güneş | Öğle | İkindi | Akşam | Yatsı |
|-----------------|-------------------------|-------|-------|-------|--------|-------|-------|
| 1 Ramazan 1443 | 2 Nisan 2022 Cumartesi | 05:12 | 06:35 | 13:06 | 16:40 | 19:28 | 20:45 |
| 2 Ramazan 1443 | 3 Nisan 2022 Pazar | 05:10 | 06:33 | 13:06 | 16:40 | 19:28 | 20:46 |
| 3 Ramazan 1443 | 4 Nisan 2022 Pazartesi | 05:08 | 06:32 | 13:06 | 16:40 | 19:29 | 20:47 |
| 4 Ramazan 1443 | 5 Nisan 2022 Salı | 05:07 | 06:30 | 13:05 | 16:41 | 19:30 | 20:48 |
| 5 Ramazan 1443 | 6 Nisan 2022 Çarşamba | 05:05 | 06:29 | 13:05 | 16:41 | 19:31 | 20:50 |
| 6 Ramazan 1443 | 7 Nisan 2022 Perşembe | 05:03 | 06:27 | 13:05 | 16:41 | 19:32 | 20:51 |
| 7 Ramazan 1443 | 8 Nisan 2022 Cuma | 05:01 | 06:26 | 13:04 | 16:41 | 19:33 | 20:52 |
| 8 Ramazan 1443 | 9 Nisan 2022 Cumartesi | 05:00 | 06:24 | 13:04 | 16:42 | 19:34 | 20:53 |
| 9 Ramazan 1443 | 10 Nisan 2022 Pazar | 04:58 | 06:23 | 13:04 | 16:42 | 19:35 | 20:54 |
| 10 Ramazan 1443 | 11 Nisan 2022 Pazartesi | 04:56 | 06:21 | 13:04 | 16:42 | 19:36 | 20:55 |
| 11 Ramazan 1443 | 12 Nisan 2022 Salı | 04:55 | 06:20 | 13:03 | 16:42 | 19:37 | 20:56 |
| 12 Ramazan 1443 | 13 Nisan 2022 Çarşamba | 04:53 | 06:19 | 13:03 | 16:43 | 19:38 | 20:58 |
| 13 Ramazan 1443 | 14 Nisan 2022 Perşembe | 04:51 | 06:17 | 13:03 | 16:43 | 19:39 | 20:59 |
| 14 Ramazan 1443 | 15 Nisan 2022 Cuma | 04:49 | 06:16 | 13:03 | 16:43 | 19:40 | 21:00 |
| 15 Ramazan 1443 | 16 Nisan 2022 Cumartesi | 04:48 | 06:14 | 13:02 | 16:43 | 19:40 | 21:01 |
| 16 Ramazan 1443 | 17 Nisan 2022 Pazar | 04:46 | 06:13 | 13:02 | 16:44 | 19:41 | 21:02 |
| 17 Ramazan 1443 | 18 Nisan 2022 Pazartesi | 04:44 | 06:11 | 13:02 | 16:44 | 19:42 | 21:04 |
| 18 Ramazan 1443 | 19 Nisan 2022 Salı | 04:43 | 06:10 | 13:02 | 16:44 | 19:43 | 21:05 |
| 19 Ramazan 1443 | 20 Nisan 2022 Çarşamba | 04:41 | 06:09 | 13:01 | 16:44 | 19:44 | 21:06 |
| 20 Ramazan 1443 | 21 Nisan 2022 Perşembe | 04:39 | 06:07 | 13:01 | 16:44 | 19:45 | 21:07 |
| 21 Ramazan 1443 | 22 Nisan 2022 Cuma | 04:38 | 06:06 | 13:01 | 16:45 | 19:46 | 21:09 |
| 22 Ramazan 1443 | 23 Nisan 2022 Cumartesi | 04:36 | 06:05 | 13:01 | 16:45 | 19:47 | 21:10 |
| 23 Ramazan 1443 | 24 Nisan 2022 Pazar | 04:34 | 06:03 | 13:01 | 16:45 | 19:48 | 21:11 |
| 24 Ramazan 1443 | 25 Nisan 2022 Pazartesi | 04:33 | 06:02 | 13:00 | 16:45 | 19:49 | 21:12 |
| 25 Ramazan 1443 | 26 Nisan 2022 Salı | 04:31 | 06:01 | 13:00 | 16:45 | 19:50 | 21:14 |
| 26 Ramazan 1443 | 27 Nisan 2022 Çarşamba | 04:29 | 06:00 | 13:00 | 16:46 | 19:51 | 21:15 |
| 27 Ramazan 1443 | 28 Nisan 2022 Perşembe | 04:28 | 05:58 | 13:00 | 16:46 | 19:52 | 21:16 |
| 28 Ramazan 1443 | 29 Nisan 2022 Cuma | 04:26 | 05:57 | 13:00 | 16:46 | 19:53 | 21:18 |
| 29 Ramazan 1443 | 30 Nisan 2022 Cumartesi | 04:24 | 05:56 | 13:00 | 16:46 | 19:53 | 21:19 |
| 30 Ramazan 1443 | 1 Mayıs 2022 Pazar | 04:23 | 05:55 | 13:00 | 16:46 | 19:54 | 21:20 |

KADIR GECESİ : 27 Nisan 2022 Çarşamba

2 Mayıs 2022 Pazartesi Ramazan Bayramının 1.Günüdür Bayram Namazı : 06:32

2022 YILI İÇİN TESPİT EDİLEN EN AZ FİTRE MİKTARI: 40,00 TL

TÜRKİYE DIYANET VAKFI ATABEY ŞUBESİ ZEKAT, FİTRE VE BAĞIŞLARINIZ İÇİN HESAP NUMARALARI

ZİRAAT BANKASI ZEKAT HESABI: TR47 0001 0006 5200 0019 7565 72

ZİRAAT BANKASI FİTRE HESABI: TR20 0001 0006 5200 0019 7565 73

ZİRAAT BANKASI BAĞIŞ HESABI: TR74 0001 0006 5200 0019 7565 71

2022
RAMAZAN

Yolumuz Doğruluk Ahlakımız Güzel Olsun!



@atabeymuftulug

atabeymuftulugu

@AtabeyMuftulugu

https://isparta.diyamet.gov.tr/atabey

İRTİBAT ve BİLGİ İÇİN
ATABEY MÜFTÜLÜĞÜ
Yeni Mah. A. Aykon Doğan Cad.
No:11 ATABEY/ISPARTA

Ey İman
Edenler!
Oruç,
Allah'a
Karşı
Gelmekten
Sakinmanız
İçin Sizden
Öncekilere
Farz
Kılındığı
Gibi Sizde
Farz
Kılındı.
(Bakara
183)

Her Kim
İnanarak
ve
Mükafatını
Allah'tan
Umarak
Ramazan
Ayını İhya
Ederse,
Geçmiş
Günahları
Bağışlanır.
(Buhari,
İman, 37)